

रॉबर्ट वानॉय, बाइबिल भविष्यवाणी की नींव; व्याख्यान 5

प्राचीन निकट पूर्व में भविष्यवाणी

तृतीय. इज़राइल में पैगम्बरवाद की उत्पत्ति

A. अन्य राष्ट्रों में इज़राइल की भविष्यवाणी की कथित समानताएँ

1. मेसोपोटामिया सादृश्य

a) सारांश समीक्षा

पिछले सप्ताह हम रोमन अंक III., "इजरायल में पैगम्बरवाद की उत्पत्ति" और ए., "अन्य राष्ट्रों में इजराइल की भविष्यवाणी के कथित सादृश्य" पर थे। चार उप-बिंदु थे: मेसोपोटामिया उपमाएँ, मिस्र उपमाएँ, कनानी उपमाएँ और एक निष्कर्ष। हम मेसोपोटामिया सादृश्य के अंतर्गत थे। मैंने आपको प्रिचर्ड द्वारा लिखित *प्राचीन निकट पूर्वी ग्रंथों* से एक हैंडआउट दिया है, जिसे "दिव्य रहस्योद्घाटन" उपशीर्षक के साथ अक्काडियन पत्र कहा जाता है। हमने मारी के उन कुछ ग्रंथों को देखा, जहां आपके पास उस व्यक्ति का उदाहरण है जिसने एक देवता से संदेश प्राप्त किया, इस मामले में डैगन से, और वह उस संदेश को दूसरे व्यक्ति तक ले जाता है जो इसे एक टैबलेट पर लिखता है और भेजता है राजा के साथ और यह हमने पिछले सप्ताह नोट किया था। मारी में मेसोपोटामिया की इस घटना और पुराने नियम में आपको जो मिलता है, उसके बीच रूप और सामग्री दोनों में कुछ हल्की समानताएँ थीं। आपके पास एक ऐसा व्यक्ति है जो दावा करता है कि उसके पास देवता का एक संदेशवाहक है जो इसे राजा तक पहुंचाता है, हालांकि अप्रत्यक्ष रूप से, प्रत्यक्ष रूप से नहीं।

ख) मतभेद

1) परोक्ष रूप से राजा को

लेकिन समय के अंत में, मैं कुछ मतभेदों पर चर्चा कर रहा था। आप कुछ हल्की-फुल्की समानताएँ देख सकते हैं, लेकिन कुछ बहुत ही आश्चर्यजनक अंतर भी हैं। पहला जिसका मैंने उल्लेख किया वह यह है कि यह अप्रत्यक्ष रूप से मारी में दिया गया है, जबकि इस्राएली भविष्यवाक्ता सीधे राजा को उसका सामना करने का संदेश देते हैं। दो तस्वीरियाँ

इस कथन के साथ समाप्त होती हैं, "मेरे भगवान को वह करने दो जो उन्हें प्रसन्न करता है।" तो यहाँ एक देवता की ओर से औपचारिक रूप से एक राजा को दिया गया संदेश है, लेकिन उस योग्यता के साथ, जो निश्चित रूप से पुराने नियम के भविष्यवक्ताओं के संदेश से मौलिक रूप से भिन्न है। प्रभु की बात माननी थी। जब किसी ने प्रभु का वचन सुना, तो उसे वह नहीं करना था जो उसे प्रसन्न करता था, उसे वह करना था जो प्रभु को प्रसन्न करता था। तो यह निश्चित रूप से एक अंतर है।

2)...3) बिना किसी नैतिक या आध्यात्मिक चिंता के सांस्कृतिक चिंताएँ

फिर घंटे के अंत में मैंने जो तीसरी बात बताई वह यह थी कि मारी पाठ में संदेश का फोकस नैतिक या आध्यात्मिक वास्तविकताओं से नहीं बल्कि बाहरी सांस्कृतिक दायित्वों से संबंधित है। दूसरे शब्दों में, आपने यह बलिदान नहीं किया, आपने मुझे सांस्कृतिक दायित्वों के लिए कोई रिपोर्ट नहीं दी। वह शब्द "सांस्कृतिक" पुराने नियम के काम के संदर्भ में प्रयोग किया जाता है, इसका संबंध पूजा के बाहरी रूपों से है। दूसरे शब्दों में, यदि आप इज़राइल के पंथ के बारे में बात करते हैं, तो आप इज़राइल की पूजा के बाहरी रूपों के बारे में बात कर रहे हैं: बलिदान, त्यौहार, अनुष्ठान - इस अर्थ में सांस्कृतिक नहीं कि यह हमारी समझ के लिए सामान्य है। हम यहोवा के साक्षियों, मॉर्मन या ऐसी किसी चीज़ के बारे में सोचते हैं। लेकिन जब आप प्राचीन इज़राइल के पंथ के बारे में बात करते हैं तो आप पूजा के बाहरी रूपों के बारे में बात कर रहे होते हैं। इसलिए, यह संदेश इस रिपोर्ट में प्रयुक्त बलिदान के माध्यम से बाहरी सांस्कृतिक दायित्वों से संबंधित है, न कि नैतिक या आध्यात्मिक वास्तविकताओं से। यदि आप पुराने नियम के भविष्यवक्ताओं के संदेश को देखें, तो उन्होंने संभवतः सांस्कृतिक टिप्पणियों के बारे में कुछ कहा होगा। यशायाह, मीका, अमोस, इस्राएल द्वारा बलिदान लाने के बहुत आलोचक थे जब उनका मन बलिदानों में नहीं था, लेकिन संदेश का ध्यान पश्चाताप और "अपने हाथ धोएं, स्वच्छ हृदय से प्रभु के पास आओ, आओ" पर है। प्रभु उसकी आज्ञा मानने और उसकी आराधना करने की इच्छा से।" इसलिए, आम तौर पर कहें तो वे मुख्य रूप से राजा और प्रजा दोनों की नैतिकता और

आध्यात्मिक स्थिति से चिंतित थे।

4) इतिहास में किसी उद्देश्यपूर्ण दैवीय कृत्य का उल्लेख नहीं है

जिस व्यक्ति के अधीन मैंने नीदरलैंड में अध्ययन किया, रिडरबोस, उसने इज़राइल में भविष्यवक्ताओं और इज़राइल के बाहर के भविष्यवक्ताओं के इस प्रश्न पर कुछ लिखा कि वे कैसे तुलना करते हैं। और वह अपने एक निबंध में कहते हैं, “जब इज़राइल के पैगंबर किसी ठोस स्थिति में एक संदेश लाते हैं, तो हमें उनकी घोषणाओं की पृष्ठभूमि पर ध्यान देना चाहिए। लेकिन विस्तृत बयान देते समय, वे जिस विशेष स्थिति से निपटते हैं उसे इतिहास में ईश्वर की उद्देश्यपूर्ण कार्रवाई के महान विषय से भी जोड़ते हैं। इज़राइल के बाहर के भविष्यवक्ता इतिहास में ऐसे उद्देश्यपूर्ण दिव्य कृत्यों के बारे में कुछ भी जानने का कोई संकेत नहीं देते हैं।

अब आप एक मिनट के लिए इस पर विचार करें, यह एक महत्वपूर्ण अंतर है। दूसरे शब्दों में, पुराने नियम में दिए गए भविष्यवक्ता के किसी भी व्यक्तिगत कथन को एक बड़े संदर्भ में रखा जाना चाहिए, और वह बड़ा संदर्भ वास्तव में भविष्यवाणी लेखन और भविष्यवक्ताओं का संपूर्ण संग्रह है, जो मूसा और सैमुअल से शुरू होता है और भविष्यवक्ता के माध्यम से आगे बढ़ता है। पुराने नियम काल में आंदोलन. ये व्यक्तियों का एक क्रम था जो सदियों से अस्तित्व में आया। उनका संदेश एक मुक्तिदायक संदेश था, न कि सही बलिदान लाने के बारे में तत्काल विस्तृत छोटी-छोटी बातों के बारे में, हालाँकि हम पहले ही इस बारे में बात कर चुके हैं। यह संदेश इतिहास के चरमोत्कर्ष और पूर्णता तक छुटकारे वाले इतिहास के आंदोलन के बड़े संदर्भ को निर्धारित करता है।

अब आपको सभी राष्ट्रों, सभी लोगों पर ईश्वर के संप्रभु उद्देश्यपूर्ण नियंत्रण का युगांतशास्त्रीय दृष्टिकोण मिलता है, और उसके उद्देश्य इतिहास में पूरे होने जा रहे हैं। आपके पास संदेश के अत्यधिक व्यापक परिप्रेक्ष्य की यह छलांग है और, जैसा कि रिडरबोस बताते हैं, जब आप मारी में इस प्रकार की गोलियों को देखते हैं, तो इस बात की कोई जागरूकता भी नहीं होती है कि इतिहास में इतना व्यापक उद्देश्यपूर्ण आंदोलन है। तो, फिर से, एक महत्वपूर्ण अंतर। जब आप इन मेसोपोटामिया ग्रंथों में जो कुछ पाते हैं उसे

देखते हैं, किसी भी तरह से देखते हैं, तो यह आपको इज़राइल में झूठे भविष्यवक्ताओं की याद दिलाता है। आपके पास इज़राइल में लोग पैगंबर होने का दावा करते थे, लेकिन वे अपने स्वयं के दिल से, अपने विचारों से अपना संदेश दे रहे थे। मुझे नहीं लगता कि आप इन मारी ग्रंथों में जो पाते हैं, वह उन चीज़ों से भिन्न है जो आप भविष्यवक्ताओं और भविष्यवक्ताओं के बीच देखते हैं, जो आप सभी लोगों के बीच पाते हैं, और हमेशा वहाँ पाए गए हैं। आप उन्हें मारी में पाते हैं। इसलिए, यह कहने का प्रयास करना कि जो कुछ आप मारी में पाते हैं वह कुछ हद तक इज़राइल में जो मिलता है उसके अनुरूप है, मुझे लगता है कि समग्र रूप से भविष्यवाणी संदेश और जो आप वहाँ पाते हैं, के बीच मौलिक अंतर को नजरअंदाज कर देता है।

5) मारी "पैगंबर" इस्राएली पैगंबरों से भिन्न हैं

द हिब्रू बाइबल और इसके आधुनिक व्याख्याकार नामक खंड में एक निबंध, "भविष्यवाणी और भविष्यवाणी साहित्य" के कुछ पैराग्राफ हैं। यह निबंध जीन टकर का है, जो एक इंजील विद्वान नहीं हैं, लेकिन ध्यान दें कि वह कहते हैं, "मलामत मारी 'भविष्यवक्ताओं' की अपनी परिभाषा में अधिक विशिष्ट थे और ओटी के साथ समानता के बारे में अधिक सतर्क थे। उन्होंने उन्हें मिशन की चेतना और भगवान के नाम पर अधिकारियों से बिन बुलाए बात करने की इच्छा में पुराने नियम के पैगंबरों के समानांतर देखा। लेकिन, भविष्यवाणी संदेश के सार और पैगंबर के मिशन को सौंपी गई नियति में बिल्कुल स्पष्ट अंतर स्पष्ट है। मारी लेख प्रतिनिधियों के लिए उत्पत्ति के नियम को संबोधित करते हैं, न कि संपूर्ण राष्ट्र को, और स्थानीय लोगों की भौतिक चिंताओं को व्यक्त करते हैं। "मारी ग्रंथों का सबसे हालिया प्रमुख उपचार, और सबसे सावधान में से एक, नूर्ट का है, जो बिल्कुल भी आश्वस्त नहीं है कि मारी" पैगंबर "पुराने नियम से ज्ञात लोगों के पूर्ववर्ती थे, या यहां तक कि दोनों संबंधित थे. कम से कम अंतिम बिंदु में वह निश्चित रूप से बहुत आगे निकल जाता है।

अब यह टकर बोल रहा है, "यदि ऐतिहासिक रूप से संबंधित नहीं हैं तो दोनों घटनात्मक रूप से संबंधित हैं।" अब घटनात्मक रूप से संबंधित, या आवधिक घटनाएं:

आपके पास किसी ऐसे व्यक्ति की घटना है जो किसी देवता के लिए बोलने का दावा करता है - आप इसे मारी में पाते हैं, आप इसे पुराने नियम में पाते हैं, लेकिन यह बिल्कुल सामान्य है, यह भौतिक नहीं है। इसलिए उनका कहना है कि यदि वे ऐतिहासिक रूप से संबंधित नहीं हैं तो वे घटनात्मक रूप से संबंधित हैं। दूसरे शब्दों में, वह कह रहे हैं कि यह कहना बहुत कठिन है कि मारी में जो हो रहा है और जो हम इज़राइल में पाते हैं, उसके बीच किसी प्रकार का ऐतिहासिक संबंध है। “चाहे कोई उनके निष्कर्ष को स्वीकार करे या नहीं कि मारी भविष्यवाणी मूल रूप से पुराने नियम की भविष्यवाणी के विपरीत है, उन्होंने मारी में रहस्योद्घाटन के विभिन्न माध्यमों और वक्ताओं और संबोधनकर्ताओं दोनों की भूमिकाओं में एक बहुत ही उपयोगी विश्लेषण प्रस्तुत किया है। संदेश काफी विविध हैं, लेकिन उनमें संकट की स्थिति में भगवान के शब्द का संचार समान है। अब उनमें यही समानता है, और यह बहुत कुछ नहीं है। हम पाते हैं कि संकट की स्थिति में ईश्वर के वचन का संचार होता है, मुझे लगता है कि यह बहुत महत्वपूर्ण नहीं है। इसलिए मुझे नहीं लगता कि हमारे पास इस निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए मारी ग्रंथों से कोई बहुत ठोस सबूत है कि इज़राइल में भविष्यवक्तावाद मेसोपोटामिया में जो कुछ भी मिलता है उससे लिया गया था या उधार लिया गया था।

2. मिस्र की उपमाएँ: मिस्र की भविष्यवाणियाँ और भविष्यवाणियाँ

आइए मिस्र की उपमाओं पर चलते हैं। पिछले सप्ताह हैंडआउट देखें, कुछ पृष्ठों पर जाएँ, आपको "मिस्र के भविष्यवाणियाँ और भविष्यवाणियाँ" उपशीर्षक के साथ "भविष्यवाणियाँ और भविष्यवाणियाँ" शीर्षक वाला एक अनुभाग दिखाई देगा। जिस तरह कुछ लोगों ने मेसोपोटामिया में इज़राइल के भविष्यवक्तावाद की कथित उपमा दी है, वही बात मिस्र के संबंध में भी कही गई है। यदि आप अपनी रूपरेखा पर ध्यान दें तो मैं आपका ध्यान मिस्र के दो ग्रंथों की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। पहला है इपुवर की चेतावनी और दूसरा, नेफ़र-रोहू के लिए की गई भविष्यवाणी। लेकिन उस पहले पृष्ठ पर, जो वास्तव में *प्राचीन निकट पूर्वी ग्रंथों में पृष्ठ 441* है, आप इपुवर की चेतावनियाँ देखते हैं।

ए) इपुवर की चेतावनी

1. सारांश

यह ग्रन्थ लगभग 1350 से 1100 ईसा पूर्व का है, परन्तु यह एक प्रति है। मूल पाठ बहुत पुराना था, संभवतः लगभग 2000 ईसा पूर्व का। पाठ की शुरुआत और अंत गायब है और पाठ के मुख्य भाग में ही बहुत सारे अंतराल हैं, इस तरह के पाठ को वे अंतराल, लैकुने कहते हैं। . लेकिन यह अभी भी यथोचित रूप से स्पष्ट है कि पाठ किस बारे में है। इपुवर नाम का एक आदमी है जो मिस्र में राज करने वाले फिरौन के सामने पेश होता है। वह मिस्र की भूमि पर आई आपदाओं का सारांश और वर्णन करता है। हर जगह परेशानी है। वहाँ डकैती है, क्रांति है, विदेशी आ गए हैं, नील नदी के किनारे बह गए हैं, महिलाएँ गर्भधारण नहीं कर पाती हैं, सबके कपड़े गंदे हैं, पानी की कमी है, ज़मीन उजाड़ है, बहुत कष्ट है, भूमिका उलट गई है समझ में आता है कि जिन लोगों के पास गुलाम थे वे अब स्वयं गुलाम बन गए हैं, अमीर लोग अब गरीब हैं, गरीब लोग अब अमीर हैं, जिनके पास सुंदर कपड़े थे वे अब चिथड़ों में हैं, जिनके पास कोई कपड़े नहीं थे उनके पास अब बढ़िया लिनन है और इसी तरह। तो, आप कह सकते हैं, मिस्र में बहुत उथल-पुथल मची हुई है।

यदि आप उस पहले पृष्ठ, दूसरे कॉलम, ठीक शीर्ष पर देखें, तो आप देखेंगे “हर जगह डकैती है। वास्तव में नील नदी में बाढ़ क्यों है? क्यों सच में महिलाएँ सूख जाती हैं और कोई गर्भधारण नहीं कर पाती। वास्तव में गरीबों की संपत्ति और खजाना क्यों बन गया है।” पृष्ठ के नीचे जाएँ, "वास्तव में पूरे देश में गंदगी क्यों है।" अंतिम पैराग्राफ के आगे, "बाहर से बर्बर लोग मिस्र आए हैं।" इसलिए वह मिस्र में इस स्थिति का वर्णन करता है और एक संक्षिप्त खंड के बाद जिसमें इपुवर फिरौन और उसके दर्शकों को एक बेहतर अतीत की याद दिलाता है। दूसरे शब्दों में, चीज़ें हमेशा इतनी बुरी नहीं थीं, हालाँकि अभी वे बहुत खराब हैं।

2. कथित "मसीहानिक" भविष्यवाणी पाठ और उसका अनुवाद

फिर पाठ में एक विराम के बाद जहाँ यह बताना कठिन है कि संबंध क्या है, आप एक ऐसे खंड में आते हैं जिसे कुछ लोग मसीहाई भविष्यवाणी कहेंगे। वह पृष्ठ 443 पर है, 2 पृष्ठ अधिक। पहले कॉलम के नीचे, आप उन सभी को देखते हैं, पहले कॉलम के मध्य के

बारे में, आप प्रत्येक पैराग्राफ को याद रखें, याद रखें, याद रखें, याद रखें से शुरू होते हुए देखते हैं, जो कि बहुत बेहतर अतीत को याद कर रहा है। लेकिन एक अंतराल के बाद उस पहले कॉलम का आखिरी पैराग्राफ कहता है, “ऐसा आएगा कि वह दिल को ठंडक पहुंचाएगा। लोग कहेंगे, वह तो सब मनुष्यों का चरवाहा है, उसके मन में कोई बुराई नहीं। वे झुंड छोटे हो सकते हैं, फिर भी उसने उनकी देखभाल में दिन बिताया है, चाहे वह पहली पीढ़ी से उनके चरित्र को समझ सके, फिर वह बुराई को हरा देगा, वह उसके खिलाफ हाथ बढ़ाएगा, वह बीज को नष्ट कर देगा वहाँ और उनके उत्तराधिकारियों के।” ऐसा लगता है कि इपुवर जो कर रहा है वह एक आदर्श राजा के बारे में बात कर रहा है। प्रश्न संदर्भ में है, और यह संदर्भ में बहुत स्पष्ट नहीं है: क्या यह अतीत का एक आदर्श राजा है, या यह भविष्य का राजा है? कथन के चारों ओर पाठ में अंतराल के कारण उस प्रश्न का उत्तर आसानी से नहीं दिया जा सकता है।

इस पाठ के तीन प्रमुख प्रकाशित मान्यता प्राप्त अनुवाद हैं, दो अंग्रेजी में और एक जर्मन में। जर्मन में, एक वॉल्यूम है जो अंग्रेजी *एंशिंट नियर ईस्टर्न टेक्स्ट्स के समतुल्य है*, और इसका संक्षिप्त रूप *एओटीपी* है, जो कि *प्राचीन ओरिएंटल टेक्स्ट्स एंड पिक्वर्स* है, यही *एओटीपी* है। यह पाठ का मानक जर्मन अनुवाद है; यह रांके नाम के एक व्यक्ति द्वारा है। आप जो अनुवाद देख रहे हैं वह प्रिचर्ड का *एन्सिएंट नियर ईस्टर्न टेक्स्ट्स (एएनईटी)* द्वारा किया गया अनुवाद है, जिसका अनुवाद जॉन विल्सन नाम के एक मिस्रविज्ञानी ने किया है, जिसका नाम शुरुआत में है। *कॉन्टेक्ट ऑफ स्क्रिप्चर* नामक खंड में अंग्रेजी में तीसरा अनुवाद है। जो 1997 में प्रकाशित प्राचीन निकट पूर्वी ग्रंथों का तीन खंडों वाला संग्रह है, जिसका वास्तव में *धर्मग्रंथ के संदर्भ* में प्राचीन ग्रंथों का संग्रह होने का इरादा है। इसका उद्देश्य प्रिचर्ड के *प्राचीन निकट पूर्वी ग्रंथों* का अद्यतनीकरण करना है। दूसरे शब्दों में, यह प्राचीन निकट पूर्वी ग्रंथों का एक नया प्रकाशित संग्रह है, जिसमें उन सभी ग्रंथों के नए अनुवाद शामिल हैं। *एंशिंट नियर ईस्टर्न टेक्स्ट्स* 1950 के दशक में प्रकाशित हुआ था, मेरा मानना है कि तारीख के लिए आपको अपनी ग्रंथ सूची देखनी होगी, लेकिन यह अंग्रेजी

ग्रंथों का एक नया संग्रह है। ब्रिल द्वारा प्रकाशित *स्क्रिप्चर के संदर्भ* में "एडमोनिशन्स ऑफ़ इपुवर" का अनुवादक शुपाक नाम का एक व्यक्ति है।

तो आपके पास इस पाठ के 3 मान्यताप्राप्त प्रमुख अनुवाद हैं। अब यदि आप अनुवादों की तुलना करते हैं तो आप पाएंगे कि विल्सन ने इस खंड का अनुवाद किया है जिसे हमने देखा था, उस पहले कॉलम के नीचे, भविष्य काल में, "ऐसा आएगा कि वह दिल पर ठंडक लाएगा।" आप फुटनोट 36 में देखते हैं, जो उस पैराग्राफ के शुरू होने से ठीक पहले है, विल्सन कहते हैं, "कमियों के संदर्भ में, एक नए विषय में बदलाव है। दुर्भाग्य से, हम इस तर्क के बारे में निश्चित नहीं हो सकते। इपुवर निश्चित रूप से आदर्श नियम का वर्णन कर रहा है। विकल्प हैं, ए, कि इस शासक को पाठ से शक्ति प्राप्त है, शायद सूर्य देव रे, या बी, कि मार्ग वास्तव में मसीहाई है, और इपुवर उस देव राजा की प्रतीक्षा कर रहा है जो मिस्र को उसके संकटों से मुक्ति दिलाएगा।" और फिर आप उनकी अगली टिप्पणी देखते हैं, "यह अनुवाद बाद का दृष्टिकोण अपनाता है।" दूसरे शब्दों में, विल्सन इसे भविष्य के रूप में अनुवाद करना चुनते हैं, यह भविष्य का एक देवता राजा है, एक मसीहा प्रकार का व्यक्ति है जो आने वाला है और पृथ्वी से बुराई को हटा देगा, बुराई को नष्ट कर देगा। बुराई उसके दिल में नहीं है।

अब यदि आप रैंके द्वारा जर्मन अनुवाद को देखें, तो रैंके भूतकाल को चुनता है। रैंके के अनुवाद में नोट में, वह कहते हैं कि अनुवाद पूरी तरह से निश्चित नहीं है, लेकिन यह निश्चित है कि इसका भविष्य नहीं होना चाहिए, "उन्होंने दिल पर ठंडक पहुंचाई थी।" ऐसा नहीं है कि वह लाता है या लाएगा, वह *लाया था*। यदि आप *धर्मग्रंथ के संदर्भ* में शुपाक अनुवादों को देखें, तो वह इसका अनुवाद भूतकाल में करते हैं, "उन्होंने हृदय पर पूर्णता ला दी है" और अपने नोट में वे कहते हैं, "निम्नलिखित खंड बहुत समस्याग्रस्त है और इस पर विस्तार से चर्चा की गई है अनुसंधान के क्षेत्र में। विद्वानों की राय इस बात पर विभाजित है कि क्या हम यहां रे की ओर निर्देशित आलोचना से निपट रहे हैं या आदर्श मुक्तिदाता के वर्णन से। तो, वह चर्चा जारी है, विल्सन और आपके द्वारा रिकॉर्ड किए गए अनुवाद सहित कुछ ने इसे भविष्य के रूप में अनुवादित किया है और इसे भविष्य के मसीहा उद्धारकर्ता के

संदर्भ के रूप में देखते हैं। जो लोग इसका इस तरह अनुवाद करते हैं, वे कहते हैं कि जैसे इज़राइल के पैगंबर ने आने वाले मसीहा का वर्णन किया है, वैसे ही यहां आप इस मिस्र के पाठ में, एक आने वाले उद्धारकर्ता के विचार के साथ, एक मसीहाई भविष्यवाणी पाते हैं।

3) इपुवर का विश्लेषण

कुछ टिप्पणियाँ: मुझे लगता है कि यदि आप इन दो पाठों को तैयार करना शुरू करना चाहते हैं, तो आपको शुरुआत करनी होगी और यह पहचानना होगा कि पहले और बाद में अंतराल के कारण यह बिल्कुल स्पष्ट नहीं है कि इस पाठ में क्या हो रहा है, इसलिए यह संदिग्ध है कि क्या तथाकथित संदेशवाहक अनुभाग पाठ के एक विचार के रूप में, भविष्य की बात भी कर रहा है। दूसरे, भले ही यह भविष्य के बारे में बात कर रहा हो, फिर भी पुराने नियम की मसीहाई अवधारणा और हमने यहां इपुवर में जो पाया है, उसके बीच महत्वपूर्ण अंतर हैं। पुराने नियम में, आने वाला राजा अपने लोगों को ईश्वर की संगति में लाएगा और पूरी पृथ्वी पर शांति और सद्भाव बहाल करेगा। पुराने नियम में वह मसीहाई दृष्टि एक सार्वभौमिक स्थिति की भविष्यवाणी करती है, जहां शेर मेमने के साथ लेटे हुए होगा और तलवारें हल के फालों में टकराएंगी और उस तरह की सार्वभौमिक युगांतवादी दृष्टि आध्यात्मिक वास्तविकताओं में निहित है। इसमें से कुछ भी आपको यहां नहीं मिलता है, न ही आप इसे बाइबिल से परे साहित्य में कहीं और पाते हैं।

एक और बात है जो कभी-कभी इस पाठ के साथ कही जाती है, हालाँकि दुर्भाग्य से विल्सन के अनुवाद में इसे शामिल भी नहीं किया गया है। यदि आप दूसरे कॉलम के शीर्ष पर जाते हैं, तो आप फुटनोट 38 को उस पहले पैराग्राफ के ठीक अंत में देखेंगे, विल्सन कहते हैं, "एक अस्पष्ट अनुभाग में, यहां छोड़ दिया गया है, इपुवर दूसरे व्यक्ति एकवचन का उपयोग करता है। जैसा कि नाथन ने डेविड से कहा, 'तू ही आदमी है,' इसलिए इपुवर अंततः फिरौन को संबोधित कर रहा होगा और मिस्र के संकटों की जिम्मेदारी सीधे राजा पर डाल रहा होगा जैसा कि निम्नलिखित संदर्भ में संकेत दिया गया है। तो, किसी ने कहा, "यह वैसा ही है जैसा हम पुराने नियम में भविष्यवक्ताओं को करते हुए पाते हैं, नाथन से डेविड, 'तू ही आदमी है', यहां इपुवर फिरौन से कह रहा है, 'तू ही आदमी है।' तुम्हारे कारण ही देश

में इतनी परेशानी है।” लेकिन फिर, यह एक ऐसा खंड है जो पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है, और वास्तव में विल्सन कहते हैं, "एक अस्पष्ट खंड, यहां छोड़ दिया गया है," इसलिए यदि आप इसे पूरी तरह से बनाने जा रहे हैं, तो ऐसा लगता है कि यह बिल्कुल भी नहीं है ठोस आधार और इसके अलावा, भले ही वह राजा पर जिम्मेदारी डालता है, इतिहास के माध्यम से भगवान की उद्देश्यपूर्ण और संप्रभु दिशात्मक भूमिका का कोई संकेत नहीं मिलता है।

बी) नेफ़रोह की भविष्यवाणी

1. पाठ सारांश और डेटिंग

यह मिस्र की पहली उपमा है; यदि आप अगले पृष्ठ पर जाएंगे तो दूसरा "नेफर-रोह की भविष्यवाणी" है। विल्सन का शीर्षक है, "नेफर्टी की भविष्यवाणी।" नेफर्टी और नेफर-रोह एक ही हैं, आप फुटनोट 1 पर ध्यान दें, "नेफर्टी। यह अनुवाद मिस्र के भविष्यवक्ता के लिए नेफर-रोह के अब के पारंपरिक नाम को बरकरार रखता है, भले ही पॉस्टर ने यह सुनिश्चित करने के लिए साक्ष्य प्रस्तुत किया है कि किसका नाम लिखा जाना है, उसका नाम कैसे पढ़ा जाए, इस पर कुछ असहमति है। लेकिन यह एक और पाठ है जिसमें कुछ लोग इज़राइल के भविष्यवक्ताओं के साथ समानता पाते हैं और जो कुछ लोग मिस्र में पुराने साम्राज्य के पूर्ण होने और अमेनेमेट प्रथम के तहत हताशा की भविष्यवाणी के रूप में देखते हैं, उससे संबंधित है।

यह भविष्यवाणी नेफर्टी या नेफर-रोह नामक व्यक्ति ने की है। अमेनेमेट I का समय लगभग 1910 ईसा पूर्व का है। इस पाठ के अनुसार, स्नेफ्रू, आप उसका नाम दूसरी पंक्ति में देखते हैं, "अब यह ऊपरी निचले मिस्र के राज्य की महिमा हुई, विजयी स्नेफ्रू इस पूरे ग्रह का शानदार राजा था।" स्नेफ्रू - जो मिस्र का बहुत प्रारंभिक शासक था, मुझे लगता है कि यह 2650 है - ने मिस्र की राजधानी, मिस्र में नगर परिषद से पूछा, क्या उन्हें कोई ऐसा व्यक्ति मिल सकता है जो उनका मनोरंजन कर सके जिसे वह "अच्छे शब्दों और अच्छी तरह से" कहते हैं। चुने हुए भाषण, "अपने मनोरंजन के लिए किसी ऐसे व्यक्ति की तलाश कर रहे हैं, जो अच्छा बोल सके। उन्हें नेफर-रोह का नाम दिया गया है, जो बास्टेट के पुजारी थे। बासेट बछड़े की देवी थी।

इसलिए, उसे नेफ़र-रोहू का नाम दिया गया है, उसने आदेश दिया है कि नेफ़र-रोहू को अदालत में लाया जाएगा, और आप पाएंगे कि यदि आप पृष्ठ 444 पर दूसरे कॉलम में जाते हैं, "तब उसकी महिमा जीवन, समृद्धि के साथ सिखाई जाती है, स्वास्थ्य ने कहा, 'हे मेरी प्रजा, देख, मैं ने तुझे बुलाया है, कि तू मेरे लिये एक ऐसा पुत्र ढूंढ़े जो बुद्धिमान हो, या तेरा कोई भाई जो विश्वासी हो, या तेरा कोई मित्र जो अच्छा काम करता हो एक अच्छा काम, जो मुझसे कह सकता है, कुछ अच्छे शब्द या अच्छे भाषण जिन्हें सुनकर मेरी महिमा का मनोरंजन हो सके। तो आप देखिये कि वह यही चाहता है।

अगले पैराग्राफ के मध्य में, "बास्टेट का एक महान व्याख्याता-पुजारी एक संप्रभु शासक जिसका नाम नेफ़र-रोहू है, वह एक ऐसा व्यक्ति है।" तो अगला पैराग्राफ, "उसे उसमें प्रवेश कराया गया," वह मिस्र का राजा है। "तब उनकी महिमा, जीवन, समृद्धि, स्वास्थ्य," - हर बार जब आप राजा को संबोधित करते हैं तो आपको जीवन, समृद्धि स्वास्थ्य भी कहना पड़ता है - "कहा, 'महान नेफ़र-रोहू आओ, जो, मेरे दोस्त, कि तुम मुझसे कह सको कुछ अच्छे शब्द और बेहतरीन भाषण, जिन्हें सुनकर मेरे महामहिम का मनोरंजन हो सके।" फिर व्याख्याता-पुजारी, नेफ़र-रोहू, जिन्होंने कहा, "जो पहले ही हो चुका है या जो होने वाला है, उसके बारे में, संप्रभु, जीवन, समृद्धि, स्वास्थ्य?" तब महामहिम ने कहा, जीवन, समृद्धि, स्वास्थ्य, 'क्या होने वाला है।' इसलिए वह इस बारे में कुछ भाषण चाहता है कि भविष्य में क्या होने वाला है और जब नेफ़र-रोहू बोलना शुरू करता है तो वह भविष्य के बारे में बात नहीं करता है, वह फिर से भूमि की स्थितियों और भूमि की आपदाओं का वर्णन करता है।

यदि आप पृष्ठ 445 पर जाते हैं, तो आप दूसरे पैराग्राफ में देखते हैं, "यह भूमि इतनी क्षतिग्रस्त है कि कोई भी इससे चिंतित नहीं है, कोई बोलने वाला नहीं है, सूर्य डिस्क ढकी हुई है।" और फिर उस पैराग्राफ के अंत में अगली पंक्ति, "मैं उस व्यक्ति के बारे में बात करूंगा जो मेरे सामने है। जो अभी तक नहीं आया है मैं उसकी भविष्यवाणी नहीं कर सकता।" तो यहाँ यह आदमी है जिसे राजा का मनोरंजन करने के लिए लाया गया है और राजा कहता है कि वह जानना चाहता है कि भविष्य में क्या होने वाला है, और नेफ़र-रोहू कहता है, "मैं ऐसा

नहीं कर सकता।" हालाँकि, वह अंततः दूसरे कॉलम के अंत में, पृष्ठ 445 पर, अंतिम पैराग्राफ में कहता है, कि "एक राजा आएगा, जो दक्षिण से होगा। उसके नाम पर कई लोग विजय प्राप्त करेंगे, वह नूबिया देश की एक महिला का बेटा है, वह ऊपरी मिस्र में पैदा हुआ है, वह सफेद मुकुट लेगा, वह लाल मुकुट पहनेगा, वह दो शक्तिशाली लोगों को एकजुट करेगा। वह दोनों प्रभुओं को उनकी इच्छा से संतुष्ट करेगा।" अगले पैराग्राफ के मध्य में, "एशियावासी तलवारों से गिरेंगे, लीबियाई लोग तलवारों से गिरेंगे इत्यादि।" तो वह इस अमेनी के बारे में बोलता है जो आएगा, और अमेनी और अधिकांश लोग इसे अमेनेमेत साम्राज्य समझते हैं। लेकिन वह स्नेफ्रू के काफी समय बाद 1910 में आये और मिस्र, ऊपरी और निचले मिस्र के राज्यों को एकजुट किया।

इस पाठ के बारे में क्या? अपने उद्धरण पृष्ठ 5 को देखें, पृष्ठ के मध्य में, *माई सर्वेट्स द प्रोफेट्स में ईजे यंग का एक पैराग्राफ है*। वह कहते हैं, "किसी को इस पाठ में गंभीरता की घोर कमी पर ध्यान देना चाहिए। राजा केवल मनोरंजन की तलाश में है, और इसलिए वह भविष्य के बारे में सूचित होना चाहता है। नेफर-रोहू भविष्यवक्ता होने का कोई दिखावा नहीं करता; वास्तव में, वह स्पष्ट रूप से यह भी कहता है कि वह भविष्य की भविष्यवाणी नहीं कर सकता। इसके अलावा, पाठ में कहा गया है कि यह नेफर-रोहू के संदेश से निपट रहा है, क्योंकि वह इस बात पर विचार कर रहा था कि देश में क्या होगा। दूसरे शब्दों में, संदेश प्रकट नहीं है, न ही ऐसा होने की सूचना है। यह प्राचीन दुनिया की कई "भविष्यवाणियों" वाली कक्षा में है, और पुराने नियम की भविष्यवाणियों से बहुत दूर है। सो यंग पाठ में गंभीरता की कमी की ओर इशारा करते हैं।

2. वेटिसिनियम पूर्व घटना लेकिन यहां एक और मुद्दा शामिल है। यह पाठ की प्रामाणिकता का ही प्रश्न है। यदि आप अपने उद्धरणों में उसी पृष्ठ को देखते हैं, तो आईएसबीई, *इंटरनेशनल स्टैंडर्ड बाइबिल इनसाइक्लोपीडिया* में "पैगंबर" पर लेख में जीडी स्मिथ क्या कहते हैं, वे कहते हैं, "नेफर-रोहू की भविष्यवाणी" यह बताने का इरादा रखती है कि फिरौन स्नेफ्रू कैसे चौथे राजवंश का मनोरंजन एक भविष्यवक्ता ने किया था जिसने भविष्यवाणी की थी कि अराजकता जल्द ही मिस्र पर हावी हो जाएगी, लेकिन जब नूबिया के

अमेनी (12वें राजवंश के पहले राजा, आमीन-एम-हेप प्रथम का एक संदर्भ) राजा बने तो वह व्यवस्था और न्याय फिर से स्थापित हो जाएगा। . तथाकथित भविष्यवाणी निस्संदेह आमीन-एम-हेप प्रथम के शासन का समर्थन करने के लिए राजनीतिक समर्थक पैगंडा के रूप में लिखी गई थी। दूसरे शब्दों में, प्रश्न यह है कि पाठ की तारीख के बारे में क्या? ऐसा माना जाता है कि यह स्नेफ्रू के समय का है, 2650 ईसा पूर्व यह लगभग 1900 की घटनाओं का वर्णन करता है, अगर यह अमेनेमेट के बारे में बात कर रहा है। हालाँकि, पाठ की सबसे पुरानी प्रतियाँ लगभग 1450 की हैं। दूसरे शब्दों में, जहाँ तक भविष्यवाणी की बात है, उस समय से पाँच शताब्दी बाद की बात कही जा रही है।

यदि आप अपने उद्धरणों के पृष्ठ 5 पर दूसरे पैराग्राफ पर जाते हैं, तो विलियम एफ. अलब्राइट की *द स्टोन एज टू क्रिस्चियनिटी* इस पाठ के बारे में कहती है, "कुछ हद तक बाद में नेफ़र-रोहु की भविष्यवाणी है, जो सबसे पुराने निश्चित उदाहरण के रूप में बेहद दिलचस्प है एक *वेटिकिनियम पूर्व घटना*। यह एक लैटिन वाक्यांश है जिसका अर्थ है "घटनाओं से बोलना।" दूसरे शब्दों में, आप जो भी बात कर रहे हैं उसके समय के बाद कुछ कह रहे हैं, लेकिन कथित तौर पर उस समय से पहले बोल रहे हैं जब वह घटित हुआ था। यह स्नेफ्रू के शासनकाल की तारीख बताता है , लेकिन छह शताब्दियों के बाद 12वें राजवंश के संस्थापक अमेनी के शासनकाल का कुछ विस्तार से वर्णन करता है । लेकिन यह घटना से पहले की बजाय घटना के बाद बोल रहा है। इसलिए कई लोग इसकी प्रामाणिकता पर सवाल उठाते हैं। क्या यह वास्तव में अमेनेमेट की भविष्यवाणी है या यह अमेनेमेट के समय के बाद लिखा गया राजनीतिक प्रचार है, जो उसके शासन को ऊपर उठाने की कोशिश कर रहा है? यह निश्चित रूप से एक बहुत ही वैध प्रश्न है। लेकिन वे मिस्र के सबसे महत्वपूर्ण ग्रंथों में से दो हैं जिनके बारे में कहा जाता है कि उनमें कुछ वैसा ही है जैसा हम पुराने नियम में भविष्यवाणी के उद्देश्य में पाते हैं।

सी. कनानी उपमाएँ

1. डेटा की कमी

आइए कनानी उपमाओं पर चलते हैं। कनानियों के बीच इज़राइल की भविष्यवाणी के लिए उपमाएँ खोजने का काफी प्रयास किया गया है। एक छोटी सी समस्या है। अब तक कोई नहीं मिला। हमारे पास कनान भूमि से बहुत सारे ग्रंथ नहीं हैं। हमारे पास धार्मिक प्रकार के ग्रंथों का निकटतम स्थान

फोनीशियन तट पर उगारिट के रास शामरा ग्रंथ हैं। लेकिन वहां भी आपके पास इज़राइल में पैगम्बरवाद के अनुरूप कुछ भी नहीं है। इसके बावजूद, यदि आप साहित्य को देखें, तो ऐसे कई विद्वान हैं जो इस बात से सहमत हैं कि कनान की भूमि को इज़राइल में पैगम्बरवाद का उद्गम स्थल माना जाना चाहिए, कि यह उन संपर्कों से बाहर रहा होगा जो इज़राइलियों ने इस भूमि में बनाए थे। कनान में पैगम्बरवाद को जन्म दिया गया।

आपके उद्धरणों में, पृष्ठ 5 के नीचे से लेकर पृष्ठ 6 तक, अब्राहम कुएनन ने 1800 के दशक के उत्तरार्ध के एक खंड में इस पर चर्चा की, जिसे हाल ही में पिछले 15 वर्षों में पुनः प्रकाशित किया गया था, इसलिए यह अभी भी बहुत कुछ संदर्भित है। अब्राहम कुएनन पिछले ग्राफ-कुएनन-वेलहौसेन सिद्धांत के वही कुएनन हैं, इसलिए बाइबिल के ऐतिहासिक-महत्वपूर्ण विश्लेषण के उस पूरे काल में आप सही हैं। कुएनन कहते हैं, "निश्चित रूप से यह बहुत वांछनीय होगा कि हम इस जैसे महत्वपूर्ण प्रश्न पर निश्चितता के साथ बोलने में सक्षम हों। लेकिन ऐतिहासिक विवरण के अभाव में, हमें संभावित अनुमानों पर ही संतोष करना चाहिए... वे हमें इज़राइल में भविष्यवाणी की पहली उपस्थिति का संतोषजनक विवरण देते हैं। इसलिए वह कनानी उपमाओं की तलाश कर रहा है और उसे कोई नहीं मिल रहा है। इसलिए उनका कहना है कि हमें संभावित अनुमान से संतुष्ट रहना होगा और उस संभावित अनुमान की सराहना की जानी चाहिए क्योंकि "यह हमें इज़राइल में भविष्यवाणी की पहली उपस्थिति का संतोषजनक स्पष्टीकरण प्रदान करेगा।" वे कनानियों में से आये होंगे। अब 1800 के उत्तरार्ध से 1900 के उत्तरार्ध के कुएनन को अद्यतन करने के लिए, गेरहार्ड वॉन रैड ने अपने *ओल्ड टेस्टामेंट थियोलॉजी* में क्या कहा, इसे देखें। "ग्यारहवीं शताब्दी के सीरिया और फ़िलिस्तीन में, एक उन्मादी और उन्मत्त आंदोलन के उदय के संकेत हैं जिनकी उत्पत्ति स्पष्ट रूप से उस क्षेत्र के बाहर है, और शायद थ्रेस और एशिया माइनर के

उन्मत्त में निहित है।" अगली पंक्ति पर ध्यान दें. "तो फिर, कनानी धर्म वह माध्यम रहा होगा जिसके द्वारा यह आंदोलन इज़राइल में आया। इसके प्रकट होने के सबसे पुराने पुराने नियम के साक्ष्य दरवेश जैसे उत्साही लोगों के वृत्तांत हैं जो समय-समय पर भूमि पर ऊपर-नीचे उभरते थे, संभवतः स्थापित इज़राइली किसानों द्वारा उन पर सवाल उठाए जाते थे। अब वह वहां जिस बारे में बात कर रहा है, "दरवेश जैसे उत्साही," क्या ये भविष्यवक्ताओं की कंपनियां हैं? याद कीजिए जब शाऊल भविष्यवक्ताओं के एक समूह से मिला और उनके पास संगीत वाद्ययंत्र थे और वे भविष्यवाणी कर रहे थे और शाऊल उनके साथ चल रहा था और भविष्यवाणी कर रहा था। इस प्रकार का असामान्य व्यवहार, आप मेसोपोटामिया, एशिया माइनर के आनंद से, उस आनंदमय आंदोलन से प्राप्त करने का प्रयास कर रहे हैं जिसे वॉन रैड और अन्य लोग इज़राइल में कुछ इसी तरह पाते हैं और आप उन कड़ियों को बनाने जा रहे हैं, बिंदुओं को जोड़ रहे हैं। कनान वह स्रोत रहा होगा जहां से इस घटना का परिचय इस्राएलियों को हुआ था, जब वे कनान देश में बस गए थे।

2) 1 किलोग्राम 18:19: अहाब, एलिजा और माउंट कार्मेल पर बाल के पैगंबर

अब यह विचार कि कनानियों के धर्म में भविष्यवक्तावाद जाना जाता था, इस स्थिति के लोगों के लिए फीनिशियनों के बारे में जो कुछ हम जानते हैं, उनकी धार्मिक प्रथाएं, संभवतः कनानियों के समान थीं, को मजबूत किया गया है। फर्स्ट किंग्स 18:19 इस नए बिंदु के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण पाठ बन जाता है। यह अहाब और इज़ेबेल का समय है। आपने 1 राजा 18:19 में पढ़ा, एलिय्याह ने कहा, "पूरे इस्राएल से लोगों को कार्मेल पर्वत पर मुझसे मिलने के लिए बुलाओ। बाल के 450 नबियों और अशेरा के 400 नबियों को लाओ, जो इज़ेबेल की मेज पर खाते हैं।" इज़ेबेल वह फ़ोनीशियन महिला थी जिसका विवाह अहाब से हुआ था, जिसने बाल और अशेरा के नबियों को इज़राइल में आयात किया था। एलिय्याह वहाँ यहोवा के नाम पर अहाब और बाल के नबियों को चुनौती दे रहा है, और आप कार्मेल पर्वत पर उस टकराव की कहानी से परिचित हैं।

यदि आप उस अध्याय में और नीचे जाते हैं, तो श्लोक 27 को देखें। "दोपहर के समय एलिय्याह ने उन्हें चिढ़ाना शुरू कर दिया। 'जोर से चिल्लाओ,' उसने कहा। 'निश्चय ही

वह एक देवता है। शायद वह किसी गहरे विचार में है, या व्यस्त है, या यात्रा कर रहा है। शायद वह सो रहा है और उसे जगाया जाना चाहिए," बाल का जिक्र करते हुए। "इसलिए वे ऊंचे स्वर से चिल्लाने लगे, और अपनी रीति के अनुसार तलवारों और भालों से अपने आप को तब तक घायल करते रहे जब तक कि उनका खून बहने न लगा। दोपहर बीत गई और उन्होंने अपना काम जारी रखा"—एनआईवी का कहना है—"उन्मत्त भविष्यवाणी करना।" अब यह क्रिया *नबा का एक रूप है*, भविष्यवाणी करने के लिए, "शाम के बलिदान के समय तक।" तो यहाँ आपके पास बाल के ये भविष्यवक्ता किसी प्रकार की उन्मादी अवस्था में वेदी के चारों ओर नृत्य कर रहे हैं, खुद को काट रहे हैं, अपने देवता को पुकार रहे हैं, और यहाँ इस्तेमाल किया गया शब्द यह है कि वे "भविष्यवाणी" कर रहे थे। लेकिन वे वास्तव में क्या कर रहे थे? क्या उन्हें बाल से कोई संदेश मिल रहा था? ऐसा प्रतीत नहीं होता। ऐसा प्रतीत होता है जैसे वे भविष्यवाणी करना शुरू कर देंगे, जो किसी प्रकार के अत्यंत असामान्य व्यवहार का वर्णन है। परमानंदपूर्ण व्यवहार, यदि आप किसी प्रकार के उस शब्द का उपयोग करना चाहते हैं।

3. वेनामेन से फोनीशिया तक की यात्रा

मिस्र का एक और पाठ है जो मैंने आपको पिछले सप्ताह भी दिया था। इसे कहा जाता है, "द जर्नी ऑफ वेनामेन टू फेनिशिया।" यह पाठ वेनामेन नाम के एक व्यक्ति की यात्रा के बारे में बताता है जो मिस्र का पुजारी था। वह मिस्र के देवता आमोन-रे के लिए एक बजरा या नाव के निर्माण के लिए लकड़ी खरीदने के लिए मिस्र से फेनिशिया गया था। वह बजरा जहाज रूपी देवता का सिंहासन होना था। वह इस लकड़ी को खरीदने के लिए फेनिशिया में बायब्लोस के राजा के पास जाता है और जो कीमत वह चुकाना चाहता था वह स्वीकार्य नहीं थी। बाइब्लोस के राजा ने उसे मिस्र वापस जाने के लिए कहा, क्योंकि शिपिंग की लागत के कारण वह इसे तुरंत नहीं भेज सका। लेकिन बायब्लोस के राजा को इस लकड़ी को वेनामेन को बेचने के बारे में अपना मन बदलना पड़ा जब उन्हें एक परमानंद से एक संदेश मिला। यदि आप पृष्ठ 18 पर जाएं, तो इस हैंडआउट का दूसरा पृष्ठ, आप पृष्ठ के मध्य के बारे में पढ़ते हैं, "बाइब्लोस के राजकुमार ने मुझे यह कहते हुए भेजा, 'मेरे बंदरगाह

से बाहर निकल जाओ।' और मैं ने उसके पास कहला भेजा, कि मैं कहां जाऊं? तुम्हारे पास मुझे ले जाने के लिये एक जहाज है, उस पर मुझे फिर मिस्र ले चलो।' इसलिए मैंने उसके बंदरगाह में 29 दिन बिताए। इस दौरान वह हर दिन मुझे संदेश भेजता रहा और कहता रहा, 'मेरे बंदरगाह से बाहर निकल जाओ।' जब वह अपने देवताओं को भेंट चढ़ा रहा था, तब परमेश्वर ने उसके एक जवान को पकड़कर अपने वश में कर लिया, और उस से कहा, परमेश्वर को ऊपर ले आ। उस दूत को ले आओ जो उसे ले जा रहा है। आमोन ही वह है जिसने उसे बाहर भेजा था। वह वही है जिसने उसे आने के लिए प्रेरित किया।' और जब इस रात को वह जुनूनी युवक अपने उन्माद में था, मैंने पहले ही जहाज को मिस्र की ओर जाते हुए देख लिया था और अपना सब कुछ उसमें लाद दिया था। जब मैं अंधेरे का इंतज़ार कर रहा था, सोच रहा था, "जब यह उतरेगा तो मैं भगवान पर भी सवार हो जाऊँगा, ताकि कोई और आँख न देख सके। बंदरगाह का मालिक कहने आया, 'सुबह तक प्रतीक्षा करो, ऐसा राजकुमार कहता है।' तो मैंने उससे कहा, 'क्या तुम वही नहीं हो जो हर दिन मेरे पास आकर यह कहते हुए समय बिताता था, "मेरे बंदरगाह से बाहर रहो?" जबकि वह कहता है, "सुबह तक प्रतीक्षा करें।" अंत में एक समझौता हुआ और लकड़ी बेच दी गई।

लेकिन यहां जो बात कही गई है वह यह है कि इस कहानी में, आपके पास एक उदाहरण है जिसे कुछ लोग भविष्यसूचक उन्माद कहते हैं। यहाँ यह युवक है जो देखता है और जब वह वशीभूत होता है तो वह बायब्लोस के राजा को यह संदेश देता है कि वह मिस्र के इस पुजारी के साथ यह सौदा करे। तो आपको इस पाठ, "वेनामेन की यात्रा" में भविष्यसूचक उन्माद का संदर्भ मिलता है। आप इसे 1 राजा 18 में बाल के भविष्यवक्ताओं के व्यवहार के साथ जोड़ते हैं और फिर इसे शमूएल के समय में भविष्यवाणियों के बैंड के साथ जोड़ते हैं। जो निष्कर्ष निकाला गया वह यह है कि इज़राइल में उत्पन्न हुआ पैगम्बरवाद इस प्रकार की आनंदमयी घटना है। हमारे पास इसके सबूत हैं कि यह फोनीशिया, मेसोपोटामिया में संभवतः कनान में मौजूद था, कम से कम अहाब और इज़ेबेल के दरबार में बाल और अशोरा के पुजारी के साथ, और शमूएल के समय में भविष्यवक्ताओं की इन कंपनियों में। तो उस तरह के आधार पर यह कहा जाता है कि कनान को इज़राइल में

भविष्यद्वक्ता का उद्गम स्थल होना चाहिए। चूँकि सैमुअल पैगम्बरों के इन उन्मादी समूहों का नेता था, इसलिए सैमुअल वह व्यक्ति है जिसने मूल रूप से इस बुतपरस्त घटना को इज़राइल के लिए अनुकूलित किया था। तो यही सिद्धांत है।

मुझे लगता है कि आप जो कह सकते हैं वह यह है कि यह काफी हद तक अटकलबाजी है, यह बहुत कम सबूतों पर आधारित है और निश्चित रूप से कनान धर्म के प्रति सैमुअल के मजबूत विरोध के साथ फिट नहीं बैठता है जैसा कि 1 सैमुअल के शुरुआती अध्यायों में दर्ज किया गया है। उसने इस्राएल से दूर चले जाने, उनके बाल देवताओं को नष्ट करने और यहोवा की आराधना करने को कहा। निश्चित रूप से वह ऐसा व्यक्ति नहीं था जो इस विवरण में फिट बैठता हो। लेकिन इसराइल में भविष्यवक्तावाद की उत्पत्ति खोजने का मामला इसी तरह बनाया गया है - इन प्रभावों और घटनाओं के आधार पर हम मेसोपोटामिया, मिस्र और कथित तौर पर कनानियों के बीच पाते हैं, हालांकि वहां सबूत वास्तव में अस्तित्वहीन है।

4 निर्णय

यह हमें 4., "निष्कर्ष" पर लाता है। मुझे ऐसा लगता है कि भले ही हम यह स्वीकार कर सकते हैं कि, हां, इज़राइल के बाहर की भविष्यवाणी और इज़राइल में जो हम पाते हैं, उसके बीच कुछ औपचारिक समानताएं हैं, लेकिन जिसे मैं भौतिक पत्राचार कहूंगा, उसके क्षेत्र में बहुत कम तुलना की जा सकती है। औपचारिक पत्राचार के संदर्भ में, एक व्यक्ति जो दावा करता है कि उसके पास किसी देवता का संदेश है, वह आपको हर जगह मिलता है। जहाँ तक भौतिक पत्राचार की बात है, अर्थात्, इज़राइल के पैगम्बरों के संदेश और इज़राइल के बाहर इन पैगम्बरों द्वारा दिए गए बयानों के प्रकार के बीच पत्राचार, बहुत कम समानता है। इसलिए मुझे नहीं लगता कि इज़राइल के बाहर की उपमाओं से इज़राइल के भविष्यवक्तावाद की उत्पत्ति को समझाने का प्रयास ठोस है।

बी. पैगंबरवाद की उत्पत्ति के लिए आंतरिक इज़राइली स्पष्टीकरण हमें इज़राइल में

पैगंबरवाद की उत्पत्ति कहीं और तलाशनी चाहिए और यह हमें आपकी रूपरेखा पर बी. और सी. पर लाता है। बी है, "पैगंबरवाद की उत्पत्ति के लिए आंतरिक इज़राइली स्पष्टीकरण।"

1. इज़राइल की धार्मिक प्रतिभा

1., "इज़राइल की धार्मिक प्रतिभा।" कुछ लोगों का तर्क है कि इज़राइल का यह विशेष आध्यात्मिक झुकाव था। इस प्रकार, उसके कारण, उन्होंने धर्म का एक बहुत ही उच्च स्वरूप विकसित किया। ऐसा कुछ करने के लिए उनके पास एक विशेष उपहार था। धर्म के उस उच्च रूप में, उसका एक बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा, पैगम्बरवाद था; यह इस धार्मिक प्रतिभा की एक अनिवार्य विशेषता है जो कुछ लोगों के पास थी। इसलिए इज़राइल की धार्मिक प्रतिभा को ही इज़राइल में पैगम्बरवाद की उत्पत्ति के स्पष्टीकरण के रूप में इस्तेमाल किया गया था। मुझे ऐसा लगता है कि वह स्पष्टीकरण इसराइल के इतिहास की वास्तविकता को पहचानने में विफल रहता है। यदि आप पुराने नियम को देखें, तो यह बिल्कुल स्पष्ट प्रतीत होता है। ऐतिहासिक रूप से, इज़राइल ने खुद को धर्म के उच्च स्वरूप के प्रति स्वाभाविक झुकाव वाले लोगों के रूप में नहीं दिखाया जो पैगम्बरों के संदेश में सन्निहित था। इसके विपरीत, इज़राइल का झुकाव आसपास के बुतपरस्त देशों की धार्मिक मान्यताओं और प्रथाओं का पालन करने का था। भविष्यवक्ता जिस चीज़ पर अपना भारी समय खर्च करते हैं, वह इज़राइल से उन बुतपरस्त देवताओं से दूर जाने और एक, जीवित और सच्चे ईश्वर की पूजा करने का आग्रह कर रहा है। तो, यह कहना कि इज़राइल की धार्मिक प्रतिभा ही इज़राइल में पैगम्बरवाद की उत्पत्ति का स्पष्टीकरण है, वास्तव में इज़राइल के धार्मिक दृष्टिकोण और अभिव्यक्तियों के इतिहास में किसी भी आधार का अभाव है। आप कह सकते हैं कि इस्राएल के भविष्यवक्ता सांस्कृतिक विरोधी थे। वे अनाज के पार जा रहे थे, इस्राएल की ओर से भविष्यवक्ताओं के शब्दों को सुनने की कोई इच्छा नहीं थी, अधिक बार उन्होंने ऐसा नहीं किया। इसलिए इज़राइल स्वयं पैगम्बरवाद की उत्पत्ति के लिए पर्याप्त व्याख्या नहीं है।

केवल समर्थन करने और कहने के बारे में क्या, "यह भविष्यवक्ताओं की धार्मिक चेतना है?" यदि पूरे राष्ट्र के पास धर्म के इस उच्च रूप को विकसित करने के लिए कोई विशेष उपहार नहीं था, जैसा कि हम पुराने नियम में पाते हैं, तो शायद कुछ व्यक्तिगत इस्राएलियों के पास वह उपहार था। वे ही हैं जिन्हें इज़राइल में पैगम्बरवाद का प्रवर्तक माना जाता है।

अब मुझे फिर से ऐसा लगता है कि आप तुरंत ही किसी समस्या में फंस जाते हैं। समस्या वह है जिसके बारे में हम पहले ही बात कर चुके हैं, जो यह है: जब भविष्यवक्ता बोलते हैं, तो वे बहुत स्पष्ट रूप से संकेत देते हैं कि वे जो बोलते हैं वह प्रभु की ओर से है, न कि उनके अपने शब्दों या विचारों से। वे वही बोलते हैं जो स्वयं ईश्वर उन्हें कहने के लिए बाध्य करते हैं। भगवान कहते हैं, "मैं अपने शब्द तुम्हारे मुँह में डालूँगा।" यह भविष्यवक्ता के शब्द नहीं हैं, यह ईश्वर के शब्द हैं। वे जो सन्देश देते हैं वह उनका अपना सन्देश नहीं, ईश्वर का सन्देश है। इसलिए भविष्यवक्ता स्वयं अपनी स्वयं की गवाही में इस बात से स्पष्ट रूप से इनकार करते हैं कि "ईश्वर का वचन बोलना" नामक यह घटना कुछ ऐसी है जो स्वयं पैगम्बर में मौजूद बातों से उत्पन्न होती है। यह कुछ ऐसा है जो उसे बाहर से आता है। इसलिए, पैगम्बरवाद की उत्पत्ति के लिए आंतरिक इज़राइली स्पष्टीकरण भी यह समझाने में विफल रहे कि यह घटना इज़राइल में क्यों उत्पन्न हुई।

सी. ओटी के गवाह के अनुसार इज़राइल में पैगम्बरवाद का मूल ईश्वर में पाया जाता है

टी जो हमें सी पर लाता है: "ओटी के गवाह के अनुसार इज़राइल में पैगम्बरवाद का मूल ईश्वर में पाया जाता है, और इसे एक उपहार के रूप में देखा जाना चाहिए भगवान अपने लोगों के लिए।" मुझे ऐसा लगता है कि बाइबिल स्वयं इस स्पष्टीकरण का प्रतिनिधित्व करती है कि इज़राइल में पैगम्बरवाद क्यों उत्पन्न हुआ। अब मैं उस पर विस्तार से बात करना चाहता हूँ, लेकिन हमें अगली बार ऐसा करना होगा।

केटी ब्रूस्टर रफ द्वारा प्रतिलेखित,
टेड हिल्डेब्रांट द्वारा संपादित,
केटी एल्स द्वारा अंतिम संपादन, टेड हिल्डेब्रांट द्वारा पुनर्वाचित